Page No 01
Date 13/05/20

Criticism of The Need Hierarchy Model :-

Criticism (आलोचनाएँ) :

यह विचारधारा मानवीय सम्बन्ध के आशावादी दृष्टिकोण पर आधारित है और सामान्यतया सभी को उचित प्रतीत होती है।

परन्तु अनेक विद्वानों ने अपने अध्ययनों तथा अनुसन्धानों के आधार पर इसमें खामियाँ पाया और इसकी आलोचनाएँ की जो कि निम्नवत है:-

(i) मास्लो द्वारा दिया गया आवश्यकता प्राथमिकता क्रम सदैव सही नहीं रहता।

2. यह जरूरी नहीं है कि जब तक मनुष्य की निम्न आवश्यकताएँ सन्तुष्ट न हों, उच्च आवश्यकताएँ बलवती नहीं होंगी।

(iii) मनुष्य का व्यवहार केवल आवश्यकताओं द्वारा ही निर्धारित नहीं होता। आवश्यकताओं के अलावा अन्य तत्व भी व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

(iv) मनुष्य इतना दूरदर्शी नहीं होता है कि वह अपनी भावी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगा सके।

(v) आवश्यकताओं का महत्व भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में भिन्न-भिन्न हो सकता है तथा इसका महत्व भिन्न या भिन्न भी हो सकता है।

(vi) आवश्यकताओं को एक दूसरे से अलग-अलग कर स्वतंत्र वर्गों में रखना तर्कसंगत नहीं है।

(7) आत्मसिद्धि की आवश्यकता कोई

वास्तविक आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है। यह मात्र दार्शनिक आकांक्षा है।

(3) आवश्यकता तथा अभिप्रेरणा के बीच कोई प्रत्यक्ष कार्य-कारण संबंध प्रतीत नहीं होता। उदाहरणस्वरूप एक ही तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने लिए अलग-अलग मनुष्यों को अलग-अलग ढंग से प्रयास करते देखा जा सकता है।

(4) यह जरूरी नहीं है कि असंतुष्ट आवश्यकताएं मनुष्य को सकारात्मक तरीके से एक दिशा में अभिप्रेरित करे वे उसे निराशा तथा निकम्मेपन की ओर भी ले जा सकती है।

(5) मनोवैज्ञानिकों ने अपने शोध अध्ययन द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि उच्चस्तरीय आवश्यकताओं की तीव्रता मनुष्य-मनुष्य पर भिन्न है कुछ मनुष्यों के लिए सामाजिक आवश्यकताएं महत्वपूर्ण है तो कुछ के लिए सम्मान व स्वाभिमान की आवश्यकता है।

13.05.20

Dr. S. K. Suman
Asst. Prof.
Dept. of Psychology
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner